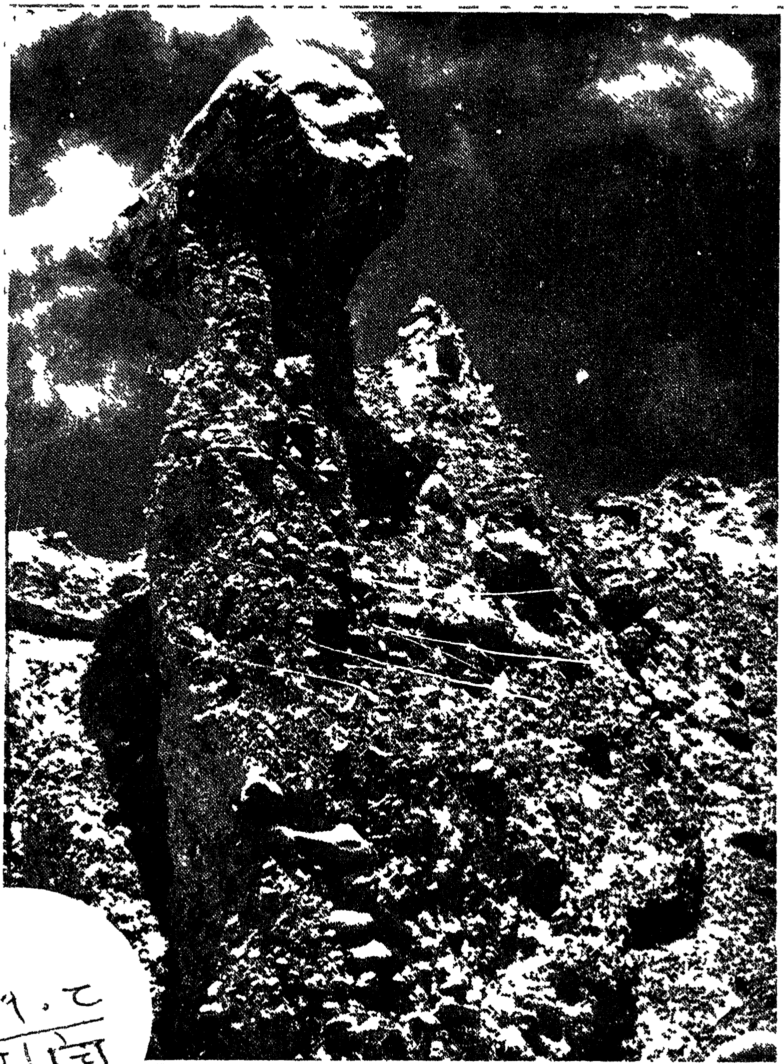
चिंतन



डॉ. नरसिंह श्रीवास्तव